

इसलिए यह डिमांड आई है? सरकार ने क्या कदम उठाये हैं इस बारे में?

अध्यक्ष महोदय : जो कदम उठाये हैं वही तो बताये हैं।

Shri S. M. Banerjee: Apart from scheduled castes and tribes, what steps have been taken by the Government to safeguard the interest of the other backward classes? Is the same concession or something less being given to them?

Mr. Speaker: The question is about a separate Ministry.

श्री बागड़ी : छुआछूत इस देश में एक बहुत बड़ी बीमारी है और उसको मिटाने के लिए सरकार ने कानून बनाया है। क्या मैं जान सकता हूँ कि कितना इस कानून का इस्तेमाल किया गया है और क्या इसका फायदा समाज को अब तक हुआ है और किस हद तक छुआछूत मिटाने के काम में सफलता हासिल हुई है?

अध्यक्ष महोदय : वह चीज तो कल हो गई है।

श्री अ० कु० सेन : कल जो बहस हुई थी

अध्यक्ष महोदय : आर्डर, आर्डर।

पर्यटकों के लिये सुख-सुविधायें

+
* 640. { श्री स० जं० सामन्त :
श्री म० ला० द्विवेदी :
श्री यशपाल सिंह :
श्री कोया :
श्री बिभूति मिश्र :

क्या परिवहन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि इस देश में पर्यटक केन्द्रों, समुद्र-तट के रमणीक स्थानों और ऐतिहासिक महत्व के स्थानों में विदेशी

पर्यटकों के लिए सुख-सुविधाओं, मनोरंजन, और खान-पान संबंधी प्रबन्ध अन्य देशों में पर्यटक केन्द्रों में विद्यमान व्यवस्था की अपेक्षा सन्तोषजनक नहीं है ;

(ख) यदि हां, इस दिशा में क्या कार्य-वाही करने का विचार है ;

(ग) क्या परिवहन मन्त्रालय ने विदेशों में पर्यटक केन्द्रों में विद्यमान प्रबन्धों का, भारत में वैसी ही व्यवस्था करने की दृष्टि से, अध्ययन किया है ; और

(घ) चौथी पंचवर्षीय योजनावधि में उपरोक्त प्रयोजनों के लिए कितना धन आवंटित करने का अनुमान है ?

The Minister of Transport (Shri Raj Bahadur): (a) to (d). A statement is laid on the Table of the Sabha. [Placed in Library, see No. LT-4090/65].

Shri S. C. Samanta: May I know the details of the procedure by which the foreign tourists have been requested to send suggestions for improvement of tourism? May I know whether there is any proposal to change that procedure?

Shri Raj Bahadur: We take quite a number of steps to tap the opinion of the incoming tourists. We had also requested one of the well-known research institutions in California to interview tourists who return from India and let us know their reactions. We also invite parties of journalists, particularly of journalists interested in tourism, to study our facilities and our places and to give us their opinion. The other methods are also there.

Shri S. C. Samanta: What sort of tourist corporations have already been set up or are proposed to be set up for the improvement of tourism?

Shri Raj Bahadur: We have been told from time to time that there is a great deal of shortage in regard to

hotel accommodation as also in regard to the provision of other facilities such as transport, shopping, entertainment, etc. To overcome all these shortages, two corporations are proposed to be set up. One has already been set up, namely, the Hotel India Tourism Corporation, which will try to fill up the gaps wherever they exist in respect of hotel accommodation. It will also look after the restaurants and the motels that we have already put up. More motels may be put up. The other corporation will deal with the provision of entertainment facilities, shopping facilities, tourist transport, publicity material, etc., etc.

श्री यशपाल सिंह : इस स्टेटमेंट को देखने से ख़ास तौर से ऐसा जाहिर नहीं होता कि जिन जगहों में होटलों की कमी है और जिन के मालिकों की आमदनी पर कोई सीलिंग नहीं है, कोई समाजवादी क़ल उन पर लागू नहीं किया गया है और वे मनमाना पैसा लेते हैं उन का कोई इलाज किया गया हो। सरकार इस संबंध में क्या करना चाहती है ?

श्री राज बहादुर : जो नहीं हम इस बात का नियंत्रण रखते हैं और कुछ अनुशासन रखत हैं होटलों की दरों के ऊपर भी। इस नियंत्रण को और हम इस प्रकार से लागू करते हैं कि जिन चीजों की आवश्यकता होती है उन को बाहर से मंगाने के लाइसेंस वगैरह पर कंट्रोल करने हैं और इस बात का भी ध्यान रखा जाता है कि जो सुविधायें उन को दी जायें वे ठीक प्रकार से दी जायें।

श्री बिभूति मिश्र : क्या मंत्री जी के ध्यान में यह बात आई है कि लाखों की तादाद में भारतवासी काठमांडू जात हैं पशु-पतिनाथ के दर्शन करने के लिये और विदेशी लोग भी जाते हैं। लेकिन रक्सील जो इस के लिये गेटवे है वहां पर मेरा ख़ाल है कि भ्रमणकर्ता मारे मारे फिरते हैं। इस का क्या प्रबंध किया जा रहा है।

श्री राज बहादुर : इस बात को और ध्यान दिया जायेगा जहां तक हमारे आर्थिक साधन होंगे।

श्री अचल सिंह : मैं जानना चाहता हूं कि इस मंत्रालय का काम सिर्फ़ फारेन टूरिस्ट्स को देखने का है या जो इंडियन टूरिस्ट्स आते हैं उन को भी देखने का काम है।

श्री राज बहादुर : हमारा निश्चित मत है कि किसी पर्यटक स्थान को ठीक तरह से विकसित करने के लिये अत्यन्त आवश्यक है कि वहां पर न सिर्फ़ विदेशी पर्यटकों की सुविधा की ओर ध्यान दिया जाये वरन् जो अपने देश के पर्यटक हैं उन की सुविधा की ओर भी ध्यान दिया जाये। किसी भी स्थान पर जो पर्यटक सुविधायें हैं, चाहे निजी क्षेत्र की दूकानें हों या दूसरे साधन हों, वह तभी पनप सकते हैं जब देश के पर्यटकों की ओर ज्यादा ध्यान दिया जाये।

Shri A. N. Vidyalkar : In order to remove general complaints from the foreign tourists that the behaviour of some of the officers at the customs and other check-posts, is generally felt to be irksome and bothersome, may I know if the Government has examined the suggestion that some officers of the tourist department should remain at the airports and other landing stations to help and guide foreign tourists?

Shri Raj Bahadur : There were in the past a number of complaints against the behaviour of the customs officials and others. We made a concerted drive to avoid such complaints and we have created a special customs officers' pool from which officers are posted at various airports and other gateways to our country. We have also appointed tourist officers to look into such complaints and also help the tourists as best as they can. I dare say that now these complaints have very much declined. In fact, they are very few as compared to the past.

श्री सिंहासन सिंह : अभी मंत्री जी ने बतलाया कि जो बाहरी पर्यटकों के लिये सुविधायें हैं वही भारतीय पर्यटकों के लिये भी होनी चाहियें। तो क्या मैं जान सकता हूँ कि भारतीय पर्यटकों के लिये कोई भारतीय ढंग के आवास निवास बनाये गये हैं जहाँ वे रह सकें और सस्ती कीमत पर वे घूम सकें, क्योंकि भारतीय पर्यटकों को आने जाने में बड़ी असुविधाओं और कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। जो पुराना पंडों का रिवाज था वह भी खत्म हो रहा है। भारतीय पर्यटकों को क्या सुविधायें गवर्नमेंट देना चाहती है इस सम्बन्ध में ?

श्री राज बहादुर : हम ने जहाँ तहाँ सस्ते आवास गृह बनाने की कोशिश की है जिनको लो इनकम ग्रुप रेस्ट हाउस कहा जाता है। यह जितने चाहियें उतने तो नहीं बन पाये हैं, लेकिन शुरुआत कर दी गई है। मैं आशा करता हूँ कि उन का और विस्तार होगा।

Dr. M. S. Aney: Is there any special consultative committee to give advice to the Government as regards tourism, on which persons who have toured abroad are also members?

Shri Raj Bahadur: We have got a Tourist Development Council on which this House and the other House are also represented. I have not yet examined the proposal whether members of that Council should go abroad to study the facilities that obtain there. That is a very welcome suggestion.

Shri Daji: May I know whether the new programme of Light and Sound introduced at the Red Fort has proved successful with the tourists and whether Government have received suggestions that the omission of Mahatma Gandhi and Maulana Azad from the entire programme gives a lop-sided view to the tourists of the national movement?

Shri Raj Bahadur: So far as the first part of the question is concerned,

we are having very heavy bookings for the seats there. In fact, a very large number of visitors could not find accommodation for the last two days. About the latter part, that question was really examined when the script was being prepared and since the attempt was to give a true historical story of the Red Fort, we thought that it should be as faithful as possible. The experts and other people now seemed to be strongly of the opinion that if we could by a dramatic device bring in the name of Mahatma Gandhi also, it should be considered. Consequently whenever we review the script, as recorded we shall bear that suggestion in mind and we shall take note of the sentiments expressed, without doing violence to history.

Shri Kapur Singh: May I know what national purpose is likely to be served if we introduce Mahatma Gandhi into the history of the Red Fort?

Shri Daji: Mahatma Gandhi and Maulana Azad went to Red Fort many times.

Shri Kapur Singh: So did I and you.

Shri Daji: You and I cannot be equated with Mahatma Gandhi and Maulana Azad.

श्री यु० सि० चौधरी : क्या सरकार के ध्यान में यह बात आई है कि जहाँ बाहर से आने वाले जो दर्शक हैं उन की सुविधाओं के वास्ते उस ने सारे इन्तजाम अपने स्टेटमेंट में दिये हैं कि सरकार ने यह लिखा है, यह किया है वहाँ जो गाइड्स विभिन्न ऐतिहासिक स्थानों को दिखलाते हैं उन का ऐतिहासिक ज्ञान इतना कम है कि छिछले दिनों एक मामूली से पत्र में भी यह समाचार छपा था कि एक गाइड ने अजन्ता के सम्बन्ध में किसी विदेशी पर्यटक को बतलाया था कि वह मुगल काल की कृति है। मैं जानना चाहता हूँ कि उन लोगों के स्थान पर क्या सरकार ऐतिहासिक व्याप्ति के स्थानों पर ऐतिहासिक ज्ञान से युक्त गाइड रखने पर विचार कर रही है।

श्री राज बहादुर : यह ठीक है कि कुछ गाइड्स ऐसे हैं जो पुराने जमाने से हमें मिले हैं और पुराने जमाने की देन हैं। उन्हें हम एक साथ हटाना नहीं चाहते थे क्योंकि बेरोजगारी का सवाल पैदा होता। लेकिन मैं ने बतलाया कि ऐसे गाइड्स रखे गये हैं जिन्हें बाकायदा सेलेक्ट किया गया है। वे हिस्ट्री के ग्रेजुएट्स हैं। उन को इस की शिक्षा दी गई है और वे अच्छी तरह काम करते हैं। यदा कदा जो शिकायतें हो जाती हैं उन की छान बीन की जाती है।

Shri Fatesinhrao Gaekwad: One of the major complaints by tourists is against the appalling ground service offered by the IAC. May I know whether this is receiving Government's active consideration and if so, what steps are being taken to remove this?

Shri Raj Bahadur: There is a constant attempt to improve the facilities at the airports and I am sure the Ministry of Civil Aviation is very much alive to the problem.

National Highway No. 13

+

*641. { **Shri R. G. Dubey:**
 Shrimati Savitri Nigam:

Will the Minister of **Transport** be pleased to state:

(a) the progress made in the construction of National Highway No. 13; and

(b) the expenditure incurred so far out of the amount sanctioned for the construction of the above Highway during the current year?

The Minister of Transport (Shri Raj Bahadur): (a) and (b). A statement explaining the position is laid on the Table of the Sabha.

Statement

(a) The progress on the sanctioned works on National Highway No. 13 is as follows:

(i) Road improvement works:

Jungle clearance, earth formation and collection of materials are in hand. The over-all progress is 0.9 per cent.

(ii) Bridge over the river Tungabhadra:

Collection of materials and preliminary work on foundations are in hand. The over-all progress is 0.7 per cent.

(iii) Bridge over the river Don:

Collection of materials and work on foundations are in hand. The over-all progress is 10 per cent.

(iv) Land acquisition for the missing link between Kushtagi and Hospet:

Proceedings have been started.

(b) Against the current year's budget allotment of Rs. 10.75 lakhs, the expenditure so far incurred is Rs. 2,07,802.

Shri R. G. Dubey: While I fully appreciate the interest taken by the Minister in the construction of this highway, may I know why there is such a shortfall in expenditure? As against the sanctioned amount of Rs. 10 lakhs and odd, only Rs. 2 lakhs and odd have been spent.

Shri Raj Bahadur: While I would like to apportion responsibility for the shortfall, it is evident that for any such work—road-building, etc., particularly new ones—it takes time for the preparation of estimates, calling for tenders, and selecting the right type of contractors to do the work.

Shri R. G. Dubey: May I know whether in respect of the Tungabhadra river, the tenders have been approved and necessary orders have been given?

Shri Raj Bahadur: I have given that information here.